Title: Alleged atrocities by the police against innocent people in various parts of the country.

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष जी, देश की आजादी के बाद और आजादी के पहले भी महात्मा गांधी द्वारा बताये गये रास्ते पर अन्याय, अत्याचार और प्रशासनिक जुल्म के खिलाफ जगह-जगह विभिन्न राजनीतिक दल, विभिन्न संगठन धरना और प्रदर्शन करते चले आ रहे हैं। इधर एक नयी स्थिति पैदा हुई है कि जब जनता अपने हक की हिफ़ाजत के लिए धरना और प्रदर्शन के माध्यम से सड़कों पर उतर रही है तो विभिन्न राज्यों में यह देखने में आ रहा है कि कुछेक राज्य सरकारें अपना आपा खो रही हैं और निरीह जनता के ऊपर लाठी और गोलियां बरसाने का काम कर रही हैं। अभी पिछले दिनों, पिछले सत्र में उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद में मुंडेरवा में जब पुलिस की गोली से तीन लोग मौत के घाट उतारे गये थे तो इसी सदन के अंदर राज्य सरकार ने जो गलत तथ्य प्रस्तुत किए और उन गलत तथ्यों के आधार पर भारत सरकार ने भी गलत तथ्य प्रस्तुत किए और मात्र एक आदमी के मारे जाने की घटना का उल्लेख किया। अभी बस्ती के मुंडेरवा जनपद में इंसानों के खून से धरती सूखी भी नहीं थी कि 19 दिसम्बर को मेरे लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के छात्र संघ के अध्यक्ष श्री संतोा जायसवाल की दिन-दहाड़े निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी गई और जब 20 तारीख को उनकी लाश उनके दरवाजे पर आयी तो हजारों की संख्या में जनसमूह वहां उमड़ा तो उस जनसमूह को सबक सिखाने के लिए महाराजगंज जनपद की क्रूर पुलिस ने और उनके अधिकारियों ने जनता के ऊपर गोलियां चलाने का काम किया और तीन लोग फिर पुलिस की गोली से मौत के घाट उतार दिये गये।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अखिलेश जी, अब समाप्त करिए। दो मिनट में अपनी बात कहनी चाहिए।

â€¦ (व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष जी, मुझे अपनी बात कह लेने दीजिए। इसमें सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि मुंडेरवा की घटना में उत्तर प्रदेश की मुख्य मंत्री जी ने समाजवादी पार्टी का हाथ बताया और महाराजगंज की घटना में उनके राज्य मंत्री ने समाजवादी पार्टी का हाथ होने की बात कही। हमने उनकी चुनौती को स्वीकार किया और धरनों और प्रदर्शन के माध्यम से राज्य सरकार से और भारत सरकार से यह मांग की कि आप सम्पूर्ण घटना की सीबीआई से जांच कराएं और इस घटना के अंदर जो लोग भी दोाी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। लेकिन आज भीâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रमेश चेन्नितला जी, आप बोलिए। आपकी बात रिकार्ड में जाएगी।

...(व्यवधान) *

MR. SPEAKER: Whatever you want to say, you have to say it within two minutes, and you should not take more than two minutes.